M: 9983140780

**भा.कृ.अनु.प.- भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान**
सेवर, भरतपुर (राजस्थान ) 321303

डॉ. अशोक कुमार शर्मा
प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक: 8-5-2025

**प्रेस विज्ञप्ति**

# भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान की बड़ी उपलब्धि

# सरसों की दो उन्नत किस्मों का पंजीकरण: किसानों को मिलेगा लाभ

भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर द्वारा विकसित सरसों की दो उन्नत किस्मों **भारत सरसों - 7** (डी आर एम आर- 150-35) और **भारत सरसों- 8** (डी आर एम आर- 1165-40) को हाल ही में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए), नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत किया गया है। यह उपलब्धि संस्थान के अनुसंधान और नवाचार के प्रति सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक है। **संस्थान के निदेशक डॉ. विजय वीर सिंह के नेतृत्व में किसानों की बदलती आवश्यकताओं और कृषि क्षेत्र की विविध चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए इन किस्मों को विकसित किया है।**

**डॉ. विजय वीर सिंह ने कहा** कि इन किस्मों का पंजीकरण संस्थान के उत्कृष्ट अनुसंधान का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये किस्में किसानों के लिए वरदान साबित होंगी और देश की खाद्य तेल सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। पंजीकरण से इन किस्मों के बौद्धिक संपदा अधिकार सुरक्षित होंगे और संस्थान के नवाचारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। आने वाले वर्षों में इससे किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने, किसानों की आमदनी बढ़ाने और देश को खाद्य तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगी।

**डॉ. सिंह ने बताया कि** भारत सरसों - 7 एक शीघ्र पकने वाली किस्म है, जो वर्षा आधारित, जल्दी बोआई में उपयुक्त तथा अधिक उपज और तेल प्रतिशत वाली है। यह किस्म बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, छत्तीसगढ़ और मणिपुर जैसे राज्यों के लिए अनुशंसित की गई है। वहीं, भारत सरसों- 8 ताप तथा नमी दबाव के प्रति सहनशील, समय पर बोआई हेतु उपयुक्त, उच्च तेल प्रतिशत और औसतन 2200-2600 किग्रा प्रति हेक्टेयर उपज देने वाली किस्म है। इसे राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और जम्मू–कश्मीर के लिए विकसित किया गया है।

(डॉ. अशोक कुमार शर्मा)

DRMR 1165-40
डी आर एम आर 1165-40

DRMR 150-35
डी आर एम आर 150-35